जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

11 अक्टूबर 2023

प्रेस विज्ञप्ति

जेएमआई ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस

जामिया मिलिया इस्लामिया (जेएमआई) के समाज कार्य विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने के लिए 11 अक्टूबर, 2023 को एक कार्यक्रम आयोजित किया। एक छात्र नेतृत्व वाली इस पहल की शुरुआत समाज में जेंडर डायनेमिक्स पर एक क्विज़ से हुई। क्विज़ के पीछे छात्रों को जेंडर मुद्दों के विचार पर शामिल करना, भारत और दुनिया भर में लड़कियों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उन्हें जेंडर समानता पर पहल से अवगत कराना था। इसमें न केवल समाज कार्य विभाग बल्कि जेएमआई के अन्य विभागों से भी छात्रों ने भाग लिया।

इसके बाद सरोजिनी नायडू सेंटर फॉर वुमेन स्टडीज में अनुसंधान सहायक डॉ. तरन्नुम सिद्दीकी द्वारा "गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम, 1994 (पीसीपीएनडीटी)" पर चर्चा की गई। यह एक संवादात्मक सत्र था जो पीसीपीएनडीटी अधिनियम के प्रावधानों, इसकी प्रासंगिकता, भारत में घटते जेंडर अनुपात के लिए जेंडर आधारित कारकों, भ्रूण के जेंडर के निर्धारण के लिए प्रसव पूर्व निदान तकनीकों के उपयोग और संभावित हस्तक्षेपों पर केंद्रित था।

इसके बाद "प्रतिभा" नामक एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म की स्क्रीनिंग की गई, जो लड़कियों के जीवन, उनके मानवाधिकारों का सम्मान करने और जेंडर समानता को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान करती है। फिल्म में लड़कियों की सुरक्षा करने और लड़कियों को जीने और दुनिया बदलने का मौका देने की अपील की गई।

यह कार्यक्रम समाज कार्य विभाग के छात्रों की पहल के माध्यम से आयोजित किया गया था और डॉ. सारिका तोमर (छात्र सलाहकार), डॉ. हेम बोरकर (विस्तार व्याख्यान प्रभारी) और प्रोफेसर नीलम सुखरामनी (अध्यक्ष) द्वारा प्रदान किए गए मार्गदर्शन के माध्यम से संचालित किया गया था। एमए सोशल वर्क- सेमेस्टर। के छात्र मो. कामरान ने छात्रों को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए और संकाय सदस्यों को एक अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे पर कार्यक्रम आयोजित करने का अवसर देने के लिए धन्यवाद दिया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया